

સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પરિચય - ૨ SATSANG PARICHAY - 2

રવિવાર, 20 જુલાઈ, 2003

સમય : બપોરે 2 થી 4:15

કુલ ગુણ :- 75

CENTRE NO.
(કેન્દ્ર નંબર)

--	--	--	--	--

CENTRE NAME
(કેન્દ્રનું નામ)

--

EXAMINEE'S SEAT NO. (Write Clearly & Legibly)
(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (ચોકસાઈથી સ્પષ્ટ અક્ષરે લખવો))

IN NUMERICS
(આંકડામાં)

--	--	--	--	--	--

IN WORDS
(શબ્દોમાં)

--

ઉત્તરની ભાષા (MEDIUM)

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE

(પરીક્ષાર્થીનો અભ્યાસ)

(ઉપરની તમામ વિગતો સ્પષ્ટ વંચાય તેવા અક્ષરે લખાઈ છે તેની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગ સુપરવાઈઝરે સહી કરવી.)

Signature Of Exam Supervisor

(વર્ગ સુપરવાઈઝરની સહી)

 **Note (નોંધ) :-**

1. Figures given on the right hand side indicate the marks for that question.

(જમણી બાજુએ આપેલા અંકો જે તે પ્રશ્નોના ગુણાંક દર્શાવે છે.)

2. Follow the instructions while answering.

(પ્રશ્નોના જવાબ સૂચના મુજબ આપવા.)

3. Answers should be clear without cancellations.

(છેકછાકવાળા જવાબો માન્ય ગણાશે નહીં.)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	13	
	કુલ ગુણ	

પેપર તપાસનાર(પરીક્ષક)ની સહી.

.....

(विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए।

[६]

१. “दूसरों से कभी मत डरना, सत्संग कभी मत छोड़ना ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

कब?

२. “पर्वतभाई के पास जाओ, शांति हो जाएगी ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

कब?

३. “जब कभी तुम्हें कठिनाई आए, तब स्वामिनारायण का स्मरण करना ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

कब?

प्र.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्ति में)

[४]

१. कडवीबाई ने सौहागरूपी चूड़ियों को तोड़ डाला ।

.....

.....

.....

२. परमचैतन्यानंद स्वामी रूठकर चले गए ।

.....

.....

.....

प्र. ३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर मुद्देसर विवरण लिखें। (बारह पंक्ति में) (वर्णनात्मक)

[४]

१. नियम ।

२. गोरधनभाई ।

३. राजबाई ।

()

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

[५]

१. महाराज ने कौन-से पाँच देवों को मानने की बात की है ?

२. तीन प्रकार के कुसंग लीखिए ।

३. बोचासण मंदिर की प्रतिष्ठा कब हुई ?

४. कारियाणी के नथु पटेल पूर्वजन्म में कौन थे ?

५. श्रीजीमहाराज को थूँकने के लिये किस हरिभक्त ने अपनी पगड़ी आगे धर दी ?

प्र. ५. 'विषय के मार्ग में अंधा हो जाना ' 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए। अथवा
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ८ का विवरण लिखें ।

[५]

().....

प्र. ६. निम्न कीर्तन / अष्टक / श्लोक की पूर्ति कीजिए।

[८]

१. पाज धर्मनी
.....
.....
..... छोगाला रंग छेल ।
२. षडक्षरो छे
.....
..... अंतर शुद्ध थाय ।
३. यस्मात्मबुद्धि
..... एव गोखरः ॥
४. करुणामय
..... भजे सदा ॥

(विभाग - २ : प्रागजी भक्त)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए।

[४]

१. "मैंने चूरमा खाया है ।"

कौन कहता है? किसे कहता है?.....

कब?

२. "अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी को दी है ।"

कौन कहता है? किसे कहता है?.....

कब?

प्र. ८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्ति में)

[४]

१. भगतजी महाराज ने गंदे पानी के गड्ढे में छलांग लगा दी ।

.....

.....

.....

२. पवित्रानंद स्वामी प्रागजी भक्त को विमुख करने के लिये तैयार हो गये ।

.....

.....

.....

प्र. ९. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर मुद्देसर विवरण लिखें। (पंद्रह पंक्ति में) (वर्णनात्मक)

[५]

१. शिष्य की योग्यता की परीक्षा ।

२. जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान ।

३. सत्संग सुख ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

[५]

१. भगतजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी के पास से कौन-से तीन वरदान माँगे ?

.....

२. गुणातीतानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त का कैसा कवच घड़ा था ?

.....

३. धाम में जाने से पहले भगतजी महाराज क्या बोले ?

.....

४. भगतजी महाराज ने कितने आम के वृक्षों में कितने मटके भरकर पानी डाला ?

.....

५. पेट्लाद के फौजदार ने भगतजी की महिमा गाते हुए संतों से क्या कहा ?

.....

प्र.११. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्पों के क्रमांक लिखें ।

[६]

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी से योग होने से पहले प्रागजी भक्त ने किन परमहंसों का समागम किया था ?

(अ) शुक मुनि ।

(ब) योगानंद स्वामी ।

(क) मुक्तानंद स्वामी ।

(ड) गोपालानंद स्वामी ।

जवाब :

२. भगतजी महाराज द्वारा किया गया ऐश्वर्य दर्शन ।

(अ) अँधे को दृष्टि दी ।

(ब) भूतों की उपाधि दूर की ।

(क) नाग का जहर उतार दिया ।

(ड) हैजा दूर किया ।

जवाब :

३. भगतजी महाराज द्वारा दिया गया वांसदा के दीवान को उपदेश

(अ) मुमुक्षु को हिरण की तरह भय से सावधान रहकर कौए की तरह सोना चाहिए ।

(ब) स्त्री आदिक के संकल्प नहीं करना चाहिए ।

(क) देह के नाते ग्यारह नियमों का पालन करें ।

(ड) भजनानंदी होना चाहिए ।

जवाब :

प्र.१२. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। [४]

१. गृहस्थ होने के बावजूद भगतजी महाराज ने शास्त्रीजी महाराज के सिर पर दोनों हाथ रखे ।

२. श्रीजीमहाराज ने गोरधनभाई को प्रागजी भक्त की पहचान करा दी ।

३. गोपालानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को कहा, "तुझे बहुत धन मिलेगा और गृहस्थ जीवन व्यतित करते हुए भी तुझे सत्पुरुषों का आशीर्वाद मिलेगा ।"

४. आचार्य महाराज ने भगतजी महाराज को चाँटा मार दिया ।

(विभाग - ३ : 'सत्संग प्रवेश' परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर)

प्र .१३. निम्न विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए । [१५]

१. लखुचारण के यहाँ नीलकंठ ।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

२. बोचासण में अक्षरपुरुषोत्तम मंदिर ।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-१३

९

३. राणा राजगर ।